Bharat Temples

कान्हा जी मोरे, कबहूँ तो सुधि मोरी लीजो

कान्हा जी मोरे,कबहूँ तो सुधि मोरी लीजो :

कान्हा जी मोरे, कबहूँ तो सुधि मोरी लीजो,
फंसि लाख भँवर चौरासी नाचूँ,
मोहें भव से बाहर कीजो,
कान्हा जी मोरे, कबहूँ तो सुधि मोरी लीजो-----

पद सरोज अविरल दे भक्ती,
चरण शरण मोहें लीजो,
कान्हा जी मोरे, कबहूँ तो सुधि मोरी लीजो-----

हे कृपासिंधु करुणा सुखसागर,
मोहें पद पंकज रज दीजो,
कान्हा जी मोरी,कबहूँ तो सुधि मोरी लीजो-----

रचना आभार : ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

Source:
https://www.bharattemples.com/kanha-jee-more-kabahun-to-sudhi-mori-leejo/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw